



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 115]

मई विल्सनी, बृहस्पतिवार, अप्रैल 12, 1979/चैत्र 22, 1901

No. 115]

NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 12, 1979/CHAITRA 22, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

भवित्वात्

मई विल्सनी, 12 अप्रैल, 1979

सं० ३० नि० २४४(अ) :— कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 642 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 58क की उपधारा (8) द्वारा पदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निम्नलिखित नियम बनाती है, प्रार्थितः—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :— (1) इन नियमों का नाम कम्पनी [धारा 58क की उपधारा (8) के प्रधीन समय बढ़ाए जाने या छूट दी जाने के लिए आवेदन] नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबृत्त होंगे।

2. धारा 58क की उपधारा (8) के प्रधीन समय बढ़ाए जाने या छूट दी जाने के लिए आवेदन का प्रारूप :— कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 58क की उपधारा (8) के प्रधीन समय बढ़ाए जाने या छूट दी जाने की इच्छुक प्रत्येक कम्पनी, इन नियमों से उपावदू प्रारूप 1 में आवेदन करेगी और उसमें विनिर्दिष्ट विशिष्टियाँ देगी।

3. आवेदन के साथ वी जाने वाली फीस :— नियम 2 के प्रधीन किए जाने वाले प्रत्येक आवेदन के साथ एक मात्र शुष्ट वेतन और लेखा अधिकारी, कम्पनी कार्य विभाग, नई विल्सनी के पक्ष में होगा जो कम्पनी (आवेदन पर फीस) नियम, 1968 में यथा विनिर्दिष्ट आवश्यक फीस संदर्भ करने के लिए होगा।

4. आवेदन देने के पूर्व समाचार पत्रों में सूचना का प्रकाशन :— नियम 2 के प्रधीन आवेदन देने के पूर्व, कम्पनी जनता के लिए एक साधारण सूचना कम से कम एक भार किमी ओप्रेजी समाचार पत्र में और एक भार उस क्षेत्र को, जिसमें कम्पनी का रजिस्ट्रीकून कार्यालय स्थित है, भाषा के ऐसे समाचार पत्र में जो उस क्षेत्र में सबसे अधिक पढ़ा जाता है, निकालेगी। यह सूचना इन नियमों से उपावदू प्रारूप 2 में विनिर्दिष्ट रीति से प्रकाशित की जाएगी।

प्रक्षेप 1

[कम्पनी (धारा 58क की उपधारा (8) के अधीन समय बढ़ाए जाने के लिए आवेदन) नियम 2 विविध] कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 58क की उपधारा (8) के अधीन समय बढ़ाए जाने का लूट दी जाने के लिए आवेदन
भाग 'क'

- (1) कम्पनी का नाम और रजिस्ट्रीड हॉल कार्यालय का पता।
 - (2) निगमन की तारीख।
 - (3) कारबाह प्रारंभ होने की तारीख।
 - (4) कम्पनी का वित्तीय वर्ष।
 - (5) कम्पनी के कानूनी लेखा परांगक का नाम और पता।
 - (6) कम्पनी के निवेशकों के नाम और पते, यदि वे किसी अन्य कम्पनी में किसी कार्यपालक पद पर हैं तो उसका विवरण, और नाम निर्देशित निवेशकों की दस्ता में, उन संस्थाओं का नाम जिनका वे प्रति-निधित्व करते हैं।
 - (7) क्या कम्पनी एकाधिकार तथा अबोधक व्यवहार अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीड है।
 - (8) वह प्रमुख कारबाह जिसमें कम्पनी लड़ी है, तथा उसके कारबाहे कहाँ स्थित हैं।
 - (9) वह तारीख जब अन्तिम संशोधन अधिवेशन कुप्रा था और क्या नेत्रा परीक्षित लेखा साधारण अधिवेशन में रखा गया था।
 - (10) कम्पनी के उन अधिकारियों के नाम, जिनमें फैदनाम और पते, जिन्हें जमाराशियां स्वीकार करने/प्रतिशत करने के अधिकार दिए गए हैं।
 - (11) नीचे लिखे लोगों द्वारा आरित साधारण/अधिमान शेयरों के किलने प्रतिशत हैं:—
 - (क) नियन्त्रक अधिक
 - (1) निवेशकों और उनके नातेशारों के शेयर।
 - (2) उमी प्रबंध के अन्तर्गत अन्य कम्पनियाँ।
 - (ख) केन्द्रीय/राज्य सरकार (सरकारें)
 - (ग) वित्तीय संस्थान (प्रत्येक का नाम वै)
 - (घ) राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रत्येक का नाम वै)
 - (ङ) प्रतिवासी
 - (1) वे कम्पनियाँ जो भारत में नियमित नहीं हुई हैं।
 - (2) विदेशी राष्ट्रिक
 - (च) वे शेयरधारक जो (क) से (ङ) तक के अन्तर्गत नहीं पाते हैं और जो साधारण शेयरों का एक प्रतिशत या उससे अधिक धारण किए हुए हैं।
 - (छ) अन्य
 - (1) कम्पनियाँ
 - (2) अधिक
- (12) जमाराशिया प्राप्त करने के लिए कम्पनी द्वारा नियुक्त व्यालों/अधिकारियों के नाम और पते तथा उनकी नियुक्ति के निवन्धन, संक्षेप कमीशन की दर, और करार की प्रतिवर्ती, यदि कोई है भी बनाएँ/वै।
- (13) उन वित्तीय संस्थानों के नाम और पते जिनसे कम्पनी ने दीर्घकालीन उधार लिए हैं, इस प्रकार के उधारों की राशि और प्रमुख वित्तीय संस्थानों के, यदि कोई हों, नाम।

भाग 'ख'

(वित्तीय आकड़े)

- (14) अन्तिम तुलन पत्र की अन्तिम तारीख को कम्पनी की वास्तविक पूँजी (हृष्पया तारीख बताएँ)
 - (1) समावत पूँजी
 - (2) शेयर प्रीमियम
 - (3) आरक्षितया और अधिशेष
 - (क) स्वतन्त्र आरक्षितया
 - (ख) स्वतन्त्र आरक्षितयों से मिल आरक्षितया
 - (4) दीर्घकालीन उधार
 - (क) प्रतिभूत
 - (ख) अप्रतिभूत]

योग:—

घटाइए—

संचित हानि,

प्रारम्भिक अवय या अस्त

प्रमूर्त आरक्षितया]

शुद्ध वास्तविक पूँजी

(15) कम्पनी के पिछले तीन वर्षों के कार्यकरण परिणाम

को समाप्त को समाप्त को समाप्त होने वाला वर्ष होने वाला वर्ष होने वाला वर्ष

- (i) समादर्श पूँजी
- (ii) नियोनित वास्तविक पूँजी
(मर 14 देखिए)
- (iii) आवर्त
- (iv) अधिनियम की धारा 198 के प्रधीन एड गाभ
- (v) शोषित वास्तविक
(वर और परिमाण)

(16) कम्पनी को पिछले तीन वर्षों में, जैसा उपावन्ध I में बनाया गया है, एड गम्फन्टि और नाइटि स्थिति।

(17) नक्की प्रबाहु विवरण (जैसा उपावन्ध II में है) जिसमें निम्नलिखित के बारे में जानकारी दी गई है, प्रार्थतः—

- (क) पिछले तीन वर्षों के बारे में।
- (ख) चालू वित्तीय वर्ष के बारे में।
- (ग) आगामी तीन वर्षों के बारे में।

वह यान विशेष स्पष्ट से बनाई जाए कि कम्पनी किस प्रकार जमाराशियों के प्रतिदाय के लिए अधिष्ठेय देखा करेगी।

(18) कृपया यह बताइए कि भावेदन देने की तारीख को, ऐसे प्रत्येक विस्तीर्ण संस्थान को, जिससे धन उधार लिया गया है, संबंधित उधार और व्याज के प्रतिदाय के लिए किसना परादेय वायित्व है और वह रकम भी बताइए जो मूल और व्याज महे चालू वित्तीय वर्ष में और आगामी तीन वर्षों में से प्रत्येक में, ऐसे प्रत्येक संस्थान को प्रतिदेय है।

(19) कृपया यावेदन देने की तारीख या उससे जिनना निकट हो सके उस तारीख (जो भावेदन देने से मात्र दिन से पहले ही नहीं होगी) तक जमाराशियों के बारे में निम्नलिखित जानकारी दें। (जिस तारीख तक की जानकारी दी जाए, वह तारीख बताइए), प्रार्थतः—

- (क) कम्पनी (जमाराशियों की स्वीकृति) नियम, 1975 के नियम 10 के अधीन विहित प्ररूप के भाग 'क' और 'ख' के अनुभाग जानकारी
- (ख) (1) परावेय जमाराशियों की कुल संख्या
- (2) परावेय जमाराशियों की रकम
- (3) निम्नलिखित तालिका के अनुसार जमाराशियों का विश्लेषण—

- (i) जमा राशियों की रकम जो अतिशोध्य है
 - (क) दो वर्ष या उससे अधिक से
 - (ख) एक वर्ष या उससे अधिक से किन्तु दो वर्ष से कम से
 - (ग) छह मास या उससे अधिक से किन्तु 1 वर्ष से कम से
 - (घ) नीन मास या उससे अधिक से किन्तु छह मास से कम से
 - (इ) तीन मास से कम से

सं०

रकम

योग : कुल अतिशोध्य जमाराशियों

संख्या

रकम

- (ii) अतिशोध्य जमाराशियों का विश्लेषण—

विशिष्टियाँ

1000 रुपए से कम

1000 रुपए में अधिक किन्तु 5000 रुपए से कम-

5000 रुपए या अधिक

- (iii) वे जमाराशियां जो प्रतिशोध्य नहीं हैं:

(क) जमाराशियों की रकम जो आगामी 31 मार्च को वेय हो जाएगी

(ख) जमाराशियों की रकम जो आगे तीन वर्षों में प्रत्रैल से सितम्बर और अक्टूबर से मार्च तक की प्रत्येक छामाही को वेय हो जाएगी

(ग) जमाराशि की रकम जो (ख) में कहे तृतीय वर्ष के बाद प्रतिदाय के लिए देय हो जाएगी

कुल जमाराशि

(अतिशोध्य रकम तथा वह रकम जो अतिशोध्य नहीं है)

(20) कृपया उस तारीख तक, जिस तक के लिए मद्द 19 में जानकारी दी गई है, जमाराशियों पर व्याज के संबंध के बारे में निम्नलिखित जानकारी दीजिए:—

- (क) व्याज की वह रकम जो देय हो गई है किन्तु वो नहीं गई है,
- दो वर्ष या उससे अधिक से
 - एक वर्ष या उससे अधिक से किन्तु दो वर्ष से कम से
 - छह मास या उससे अधिक से किन्तु एक वर्ष से कम से
 - तीन मास या उससे अधिक से किन्तु छह मास से कम से
 - तीन मास से कम से

(ख) जमा राशियों पर व्याज की रकम जिसकी अदायगी निम्नलिखित तारीखों को देय हो जाएगी, अर्थात्:—

- आगामी 31 मार्च तक
- भगवते तीन वर्षों में अग्रील से भितम्बर और भक्तवत्तर से मार्च तक की प्रत्येक छमाही में।

(21) कृपया कम्पनी (जमा राशियों की स्वीकृति) नियम, 1975 के नियम 10 के अधीन कम्पनी रजिस्ट्रारों के पास काइल किए गए, 31 मार्च, 1975 को और उससे आगे की सभी जमा राशियों की विवरणियों की एक प्रति प्रस्तुत करें।

(22) पिछले तीन वर्षों के दौरान आवर्त में कमी, यदि हुई हो, और पिछले तीन वर्षों में हानि, यदि हुई हो, के कारण/आगामी तीन वर्षों का प्रथाविन आवर्त और युद्ध लाभ (कर पूर्व/करोपरान्त) भी विद्या जाएँ।

टिप्पण: (i) कम्पनी को इस भाग के समस्त प्रश्नों का अधिन उन्नर देना चाहिए।

- (ii) यदि इस प्रलूप को काइल करने के समय जिस वित्तीय वर्ष का लेखा/परीक्षित लेखाउपलब्ध है उस वित्तीय वर्ष की अस्तित्व तारीख आरह मास से अधिक पूर्व की है तो अगले वित्तीय वर्ष की जानकारी प्रोफार्म देखे के प्राधार पर दें दी जाएँ, भले ही उसकी लेखा परीक्षा न हुई हो।
- (iii) यदि कम्पनी ने लैमासिक या अर्थवाणिक तुलनपत्र या लाभ हानि लेखा तैयार किया है तो इस प्रकार के लेखे के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष की नवीनतम उपलब्ध तारीख तक की जानकारी दी जाएँ।

(भाग 'ग' प्रस्थापना और कारण)

(23) छूट/समय बढ़ाए जाने के लिए प्रस्थापना—

(क) कृपया बताएँ कि किस ओर से छूट और/या किस के लिए समय बढ़ाए जाने को प्रार्थना की गई है। कम्पनी अधिनियम 1956 में, और कम्पनी (जमाराशियों की स्वीकृति) नियम, 1975 की संविधित आराशों/नियमों के सुसंगत उपबन्ध उद्भूत करें।

(ख) कृपया बताएँ कि किस अवधि के लिए छूट/समय बढ़ाए जाने के लिए प्रार्थना की गई है।

(ग) कृपया एक व्यैरिएटर समयबद्ध योजना उस अवधि के लिए बताएँ जिसके लिए छूट/समय बढ़ाए जाने की प्रार्थना की गई है।

(घ) कृपया समय बढ़ाए जाने/छूट दिए जाने के लिए सविस्तार घोषित बनाएँ।

(ङ) यदि छूट देने/समय बढ़ाने के प्रस्तुत पर विचार किया गया है तो क्या कम्पनी, मद्द 20(क) में यथा उल्लिखित व्याज, छूट दिए जाने/समय बढ़ाए जाने की तारीख से तीन मास के भीतर दे देने के लिए रजामत है।

(च) यदि छूट/समय बढ़ाने की स्वीकृति देंदी जाती है तो क्या कम्पनी भविष्य में सम्पूर्ण तारीख को व्याज दे देने के लिए सहमत है।

(24) क्या छूट दिए जाने/समय बढ़ाए जाने की प्रार्थना को निवेशक बोर्ड ने बंजूर कर लिया है? यदि हाँ, तो क्या कृपया प्रार्थना की एक प्रतिलिपि प्रस्तुत करें (यदि नहीं, तो कम्पनी तुरन्त इस प्रकार का अनुभोवन प्राप्त करने के लिए कार्रवाई करें)। यह सुझाव दिया जाता है कि यह पूरी तरह भरे गए इस प्रारूप को प्रारूप निवेशक बोर्ड के समक्ष विचारार्थ रखा जाए।

(25) यदि समय बढ़ाए जाने की प्रार्थना 1-2-1975 के पूर्व की जमा राशियों के बारे में है जिससे वापस करने की आत धारा 58क की उपचारा 3(क) में कही गई है, तो कृपया निम्नलिखित व्यारे दें:—

(i) इस प्रकार जमा राशियों की रकम, जिसका प्रतिवाय आवेदन देने की तारीख को अतिशोष्य हो गया है:—

संख्या	रकम (रुपए)
--------	------------

(क) तीन वर्ष या अधिक से	
-------------------------	--

(ख) दो वर्ष या अधिक से किन्तु तीन वर्ष से कम से	
---	--

(ग) एक वर्ष या अधिक से किन्तु दो वर्ष से कम से	
--	--

(घ) छह मास या अधिक से किन्तु एक वर्ष से कम से	
---	--

(ङ) तीन मास या अधिक से किन्तु छह मास से कम से	
---	--

(च) तीन मास से कम से	
----------------------	--

योग:—

- (ii) ऐं जमा राशियों जो अनिश्चित नहीं हैं :— संख्या रकम (रुपए)
- (क) जमाराशियों की रकमें जो आवामी 31 मार्च को प्रतिवेद्य होंगी।
 - (ख) अपले तीन वर्षों तक अप्रैल से निवास और अक्टूबर से मार्च तक की प्रत्येक छमाही में देय होने वाली जमा राशिया।
 - (ग) उक्त (ख) में कहे गए तृतीय वर्ष के बाद प्रतिदेय होने वाली जमा राशियों की रकमें।
- (iii) उस व्याज की रकम जो इस प्रकार की जमा राशियों पर देय हो चुका है किन्तु भावेदन की तारीख को असदृष्ट है,

संख्या रकम (रुपए)

- (क) तीन वर्ष और अधिक से
- (ख) दो वर्ष या उससे अधिक से किन्तु तीन वर्ष से कम से
- (ग) एक वर्ष या उससे अधिक से किन्तु दो वर्ष से कम से
- (घ) छह मास या उससे अधिक से किन्तु एक वर्ष से कम से
- (ङ) तीन मास या उससे अधिक से किन्तु छह मास से कम से
- (च) तीन मास से कम से।

- (iv) किन कारणों से जमाराशियों और उन पर व्याज, यदि कोई है, प्रतिवस नहीं किया जा सका है।

(26) यदि उम जमाराशियों के प्रतिवाय के लिए समय बढ़ाने की प्रारंभना की गई है जो 1-2-75 के पूर्व रिजर्व बैंक के निवेशों के उल्लंघन में स्वीकार की गई है और जो धारा 58क का उपयारा (3क) के प्रश्नीन 1 अप्रैल, 1975 तक प्रतिवेद्य हो गई है, तो कृपया निम्नलिखित जानकारी दें :—

- (i) किस अवधि में ऐसी जमा राशियों ली गई थी और जमा राशि की कुल रकम जो प्रारम्भ में रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आदेशों का उल्लंघन करके स्वीकार की गई है।
- (ii) ऐसी जमाराशियों की संख्या और रकम जिसका प्रतिवाय भ्रावेदन देने की तारीख को परावेय है।
- (iii) ऐसी जमाराशियों पर शोध व्याज की रकम, यदि कोई है, जो भ्रावेदन की तारीख को असदृष्ट रही है।

(27) यदि समय बढ़ाए जाने की प्रारंभना ऐसी जमा राशियों के प्रतिवाय के बारे में है जो 1-2-75 के बावजूदी (जमाराशियों की स्वीकृति) नियम, 1975 के उल्लंघन में स्वीकृत की गई है और जो धारा 58क का उपयारा (4) के प्रश्नीन प्रतिवेद्य हो गई है, तो कृपया निम्नलिखित जानकारी दें :—

- (i) कृपया बताएं कि कौन सा विशिष्ट नियम, कब और किन परिस्थितियों में भाग हुआ है प्रोटोकॉलिंग रकम बताएँ।
- (ii) यदि जमाराशियों विहित सीमा के आधिक्य में स्वीकृत की गई है तो कृपया नीचे लिखे व्यौरें :— संख्या रकम (रुपए)

- (क) प्रारम्भ में, कम्पनी (जमाराशियों की स्वीकृति) नियम, 1975 के नियम 3(2)(i) में विहित सीमा के आधिक्य में स्वीकृत जमा राशियों।
- (ख) भ्रावेदन की तारीख को ऐसी जमा राशियों की परावेय रकमें।
- (ग) इस प्रकार की जमाराशियों पर शोध व्याज, यदि कोई है, जो भ्रावेदन की तारीख को असदृष्ट है।

- (iii) (क) कम्पनी (जमाराशियों की स्वीकृति) नियम, 1975 के नियम 3(2)(ii) में विहित वह समय जब अधिक जमाराशि ली गई सीमा के आधिक्य में ली गई जमा राशियों
ली गई जमा राशियों की परावेय है।
- (ख) ऐसी जमाराशियों की रकम को भ्रावेदन की तारीख को परावेय है।
- (ग) ऐसी जमाराशियों की रकम पर शोध व्याज, यदि कोई है, जो भ्रावेदन की तारीख को असदृष्ट है।

- (iv) किन कारणों से अधिक हुआ है और ऐसे आधिक्य की राशि तथा उस पर व्याज, यदि कोई है, क्यों नहीं दिया गया है।

(28) क्या कम्पनी ने मद 27 में बढ़ाए गए आधिक्य के जान लेने के बाद भी कोई जमा राशि स्वीकार या नवीकृत की है?

यदि हाँ तो कृपया बताइए :—

- (i) तब से कितनी जमाराशियां ली गई/नवीकृत की गई हैं।
- (ii) आधिक्य को जान लेने के बाद प्रतिमास ली गई/नवीकृत की गई जमाराशियों की संख्या और रकम

(iii) नियमों के उल्लंघन में जमाराशियों स्वीकार/नवीकृत करने के लिए कारण।

(29) क्या कम्पनी इस प्रकार की जमाराशियों को स्वीकार/नवीकृत कर रही है?

(30) क्या कम्पनी ने पहले कभी रिजर्व बैंक से, उसके निदेशकों से कूट के लिए, निवेदन किया है। यदि हाँ, तो क्या ऐसी कूट दी गई है? कृपया संबंधित प्रकाशाचार की प्रतियोगि दें।

(31) कम्पनी द्वारा तूसरे नियमित निकायों के द्वेषों और द्विदेश्वरों में किए गए विनियानों का पूर्ण व्यौरा।

- (32) क्या ऐसे विनिधानों के बापम सिए जाने की कोई संभावना है ?
- (33) कमाती द्वारा अन्य नियमित निकायों को अनुबन्ध उधारों का पूर्ण व्यौग।
- (34) ऊपर मद 3.3 में बताए गए उधारों को जमा राशियों बापम करने के लिए क्यों बापम नहीं लिया गया ?
- (35) कम्पनी के नवीनतम सुप्रबन्ध के अनुसार नक्शी, बैंक में जमा धन और आसानी से आपनीय प्रतिभूतियां और विनिधानों का पूर्ण व्यौग।
- (36) नक्शी प्रवाह विवरण के अनुसार उपलब्ध प्रधिक धन का अनुपयोजन जमाराशियों के प्रतिवाय के लिए क्यों नहीं किया जा सकता ?
- (37) क्या कम्पनी के विकल्प किसी जमाकर्ता द्वारा कोई समापन कार्यशाही किसी उच्च न्यायालय के समझ लम्बित है ? यदि हाँ, तो कृपया उसका व्यौग दे।
- (38) क्या किसी जमाकर्ता द्वारा कम्पनी के विकल्प कोई बाद जमाराशि बनूत करने के लिए उच्च न्यायालय के समझ लम्बित है ?
- यदि हाँ, तो कृपया उसका व्यौग दे।
- (39) क्या उच्च न्यायालय ने प्रतिवाय के लिए कोई योजना स्वीकृत की है ?
यदि हाँ, तो कृपया उसका व्यौग दे।
- (40) क्या विनियम सम्बान्धी/बैंक द्वारा कम्पनी के पुनर्बोध की कोई योजना अनुमोदित की गई है ?
यदि हाँ, तो कृपया उसका व्यौग दे।
- (41) क्या किसी निवेशक से द्वारा 58क के उत्प्रवेषन के बारे में कोई "कारण बताओ" नूतन प्राप्त हुई है ?
यदि हाँ, तो कृपया उसका व्यौग दे।
- (42) क्या कम्पनी या उनके निवेशकों के विकल्प, कम्पनी प्रधिनियम में एक या अधिक उत्पन्नों के उत्प्रवेषन के लिए कोई बाद लम्बित है ?
यदि हाँ, तो कृपया उसका व्यौग दे।
- (43) कृपया पिछले दो वर्षों में मे प्रत्येक वर्ष में अनुप्रवेषन अन्तर्ना, प्रतिभागित क्षमता और उत्पादन बतायें और जल् वर्ष समय अन्तर्नी दो विस्तीय वर्षों का प्राक्कलित उत्पादन बतायें।
- (44) क्या कम्पनी के स्वामित्व बाला इम समय पूरा उत्पादन कर रहा है ?
यदि नहीं, तो कृपया उसका ज्ञाता कारण स्थित दें।
- (45) पिछले तीन वर्षों में उत्पादन में आप्रवरोधी, जैरे हड्डाने, तालाबन्दी आदि का कारण सहित इयरावें।
- (46) प्रागामी तीन वर्षों में कम्पनी के विस्तार/विनिधान योजना का व्यौग दे। कृपया बतायें कि क्या कम्पनी ने प्राश्नपत्र आदि प्राप्त कर लिया है ?
- (47) कम्पनी की आविष्यों के बन्धको और अन्य विलंबनों के पूर्ण व्यौगे।
- (48) कम्पनी के पूर्ण उत्पादन और विकल्प स्वर तक पहुँचने में उपर्युक्त हुई कठिनाइयों का व्यौग दें और कम्पनी उन्हें कैसे दूर करना चाहती है ?
- (49) उन संविदाओं के व्यौगे जिनमें निवेशक हितबद्ध हैं।
- (50) उन विकल्प प्रधिकरण व्यवस्था के व्यौगे जिनमें निवेशक हितबद्ध हैं।
- (51) निवेशकों के नातेदारों द्वारा आरित पद या लाभ के स्थान का व्यौग।
- (52) कम्पनी किन किन गतीय पर फ्लट/समय में दृढ़ि को स्वीकार करने को नैयार है, खिलेकर नीचे लिखी गानों के बारे में :—
- (i) कम्पनी के निवेशक बोई के गठन में जमाकर्ताओं या विस्तीय संस्थानों के नाम निर्देशित हैं को लेना ।
 - (ii) निवेशकों और उनके नातेदारों द्वारा धारित जमाराशियों के प्रतिवाये पर निर्बोधन ।
 - (iii) जमाराशियों के प्रतिवाय के बारे में जमाकर्ताओं को संरक्षित या प्रतिभूत करना ।
 - (iv) और प्रधिक जमाराशियों को स्वीकार या नवीकृत न करना ।
 - (v) प्रबन्ध के अवसादीकरण ।
 - (vi) न्यायालय के पर्येक्षण के प्रधीन रहते हुए पुनर्गठन को कोई योजना ।
 - (vii) वहे हुए समय के दौरान शेयरशार्कों को विये जाने वाले लाभांश पर निर्बन्धन ।
 - (viii) शोष्य ही गए ब्याज को तस्काल देना और भविष्य में सम्यक तारीखों को ब्याज देने का आप्रवासन ।
 - (ix) किसी प्रत्य रीति में ।
- (53) कोई अन्य जानकारी जो कम्पनी देना चाहे।

(51) कृष्णा निम्नलिखित संलग्नक भेजें :—

- (i) कम्पनी के संगम प्रबृहोद की एक प्रति,
 - (ii) लेक्षा परीक्षकों की रिपोर्ट तथा निवेशकों को रिपोर्ट महित कम्पनी के विळंग तीन वर्षों को परीक्षित लेखा की एक प्रति,
 - (iii) प्रस्थापना के पश्च में निवेशक बोर्ड के संकल्प की एक प्रति,
 - (iv) नवीनतम लेक्षा परीक्षित लेक्षा के बाद कम्पनी के तिमाही, छमाही या अन्य प्रोफार्मा लेखाओं की एक प्रति,
 - (v) कम्पनी (जमाराशियों की स्वीकृति) नियम, 1975 के नियम 4 के अनुसरण में जारी किए गए विकास की एक प्रति,
 - (vi) वित्त आवेदन फॉर्म।
- (कृष्णा बेनन और लेक्षा अधिकारी, कम्पनी कार्य विभाग, नई विल्ली के नाम पंजाब नेशनल बैंक बारा छम्बा रोड, नई विल्ली पर एक रेखांकित/मांग द्वाकृट देजे)।

(55) वह समाचारपत्र जिसमें कम्पनी ने उपावन्ध III के अनुसार शूट के लिए केन्द्रीय सरकार को आवेदन करने के अपने आशय के बारे में सूचनाएं प्रकाशित की हैं।

हस्ताक्षर

व्यक्ति का नाम :

पदनाम :

नामांक्ष :

उपावन्ध-1

गत तीन वर्षों के तुलन-पत्र के अनुसार कम्पनी की वित्तीय और नकदी संबंधी स्थिति

(1)	तारीख को समाप्त होने वाला वर्ष	तारीख		तारीख
		रु०	रु०	
		(2)	(3)	(4)

चालू प्रास्तियाँ :

(सहायक और/या प्रबन्धित कंपनियों में व्यापार विनिधानों से भिन्न विनिधानों सहित)

घटावाएँ :

चालू वायित्व

(अल्पकालीन उधारों और वायित्व सहित)

(क) नकदी प्रतिशेष

जोड़िए :

(क) स्थिर प्रास्तियाँ

(ब) व्यापार विनिधान और सहायक तथा/या प्रबन्धित कंपनियों में विनिधान

घटावाएँ :

दीर्घ कालीन उधार और वायित्व (तुलन-पत्र की तारीख को) शुद्ध नकदी

टिप्पणी :

शुद्ध नकदी को उपरोक्त संगणना करते समय नीचे लिखी मरों का समायोजन किया जायेगा :—

- (1) अमूर्त प्रास्तियाँ-गुडविल प्रादि
- (2) संदिग्ध प्रास्तियाँ—जैसे संदिग्ध और दूषित गृहण प्रादि
- (3) प्रास्तवित आमदानी
- (4) उचित हानियाँ
- (5) प्रबन्धित कंपनियाँ
- (6) प्रवक्षयण को बकाया
- (7) तुलन-पत्र में घाने वाली कोई अन्य रकम जिसे लेक्षा पद्धति के अनुसार घटाया जाना है।

योग:—

शुद्ध नकदी का मिलान

संबंध पूँजी

जोड़िए :

आरक्षितियाँ

(कृष्णा और वे)

बटाइए :

प्रमुख आस्तियां और कोई रकम जो बटाई जानी है
 (अपर की टिप्पणी देखिए)
 (तुलन-पत्र की तारीख को शुद्ध नकरी)
 शुद्ध नकरी
 (तुलन-पत्र की तारीख)

टिप्पण—II : यदि संस्था 4 में बताई गई कम्पनी की शुद्ध नकरी उसकी मंजूरत पूँजी से कम है तो बताइये कि शुद्ध नकरी को बढ़ाने के लिए कौन से कदम उठाने का प्रस्ताव है।

नकरी प्रवाह विवरण

उपाख्य-II

1	तीन पूर्व वर्ष		दर्तमान वर्ष		आगामी तीन वर्ष		
	को समाप्त वर्ष						
	2	3	4	5	6	7	8

क—निधि का स्रोत :

विक्रम और प्रथम आय
 बटाइये विक्री का अर्जुन भीर प्रथम अध्यय

(अवधारण को छोड़कर)

कर और अवधारण से पूर्व शुद्ध लाभ

नकरी का आदि अतिरिक्त

उत्तराही गई शुद्ध प्रतिरिक्त पूँजी

प्रतिभूत उदाहर में वृद्धि

आय उदारों में वृद्धि

(जमा राशियों के अलावा)

प्राप्त जमा राशियों में वृद्धि

आलू आस्तियों में कमी

(नकरी के अलावा)

चालू दायित्वों में वृद्धि,

कोई अध्यय मद जो विनिरिक्त की जानी हो।

योग :—

ख—निधियों का उपयोग :

पूँजी आस्तियों में वृद्धि

विनिधानों में वृद्धि

लौटाए प्रतिभूत उदाहर

मंदान अन्य उदाहर

(जमा राशियों के अलावा)

बापस की गई जमा राशियों

चालू आस्तियों में वृद्धि

(नकरी के अलावा)

चालू दायित्वों में वृद्धि

कर की अदायगी

लाभांश

कोई अध्यय मद

(विनिरिक्त की जाय)

नकरी का अव्यवेष

योग :—

प्रथम — 2
 (नियम 4 वेच्चे)

कम्पनी का नाम

रजिस्ट्रीकूर्त कार्यालय

सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नाम की कम्पनी, जनता से जमाधार से संबंधित, कम्पनी अधिनियम, 1958 की धारा 58-के उपबन्धों के पालन करने में समय के विस्तार अथवा इसके सभी अधिकार किसी उपबन्ध से मुक्ति प्रदान करने के लिये, केन्द्रीय सरकार से आवेदन करने का प्रस्ताव करती है। लिये गये आवेदन-पत्र की एक प्रति कम्पनी के रजिस्ट्रीकूर्त कार्यालय में कार्य-घंटों के द्वारा निरीक्षण के लिये उपलब्ध है। कोई भी हितार्थी अधिकार, इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से सीस दिन के अन्दर, अपनी आपत्तियां, यदि कोई हो, तो केन्द्रीय सरकार को, सचिव कम्पनी कार्य विभाग, पांचवीं मंजिल, 'ए' विंग, शास्त्री भवन, नई शिल्पी के पाते पर भेज सकता है।

[संख्या 4/2/78—सी०० एस०—XI/X]
 एम० के० कुकरेजा, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 12th April, 1979

G.S.R. 244(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (8) of Section 58A read with sub-section (1) of Section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956); the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and Commencement.—(1) These rules may be called the Companies (Application for Extension of time or Exemption under sub-section (8) of Section 58A) Rules, 1979;
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. Form of application for grant of extension of time or exemption under sub-section (8) of Section 58A.—Every company seeking extension of time or exemption under sub-section (8) of Section 58-A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), shall apply in Form 1 appended to these rules and furnish the particulars specified therein.
3. Fee to be paid along with the application.—Every application made under Rule 2 shall be accompanied by a demand draft drawn in favour of the Pay and Accounts Officer, Department of Company Affairs, New Delhi towards payment of requisite fee as specified in the Companies (Fee on Applications) Rules, 1968.
4. Publication of notice in newspapers before making application.—Before making an application under Rule 2, the company shall publish a general notice to the members of the public at least once in an English daily newspaper and at least once in a news paper published in language of the region having wide circulation in the region in which the registered office of the company is situate, in the manner specified in Form-2 appended to these rules.

FORM I

[See rule 2 of the Companies (Application for Extension of time or Exemption under sub-section (8) of Section 58-A) Rules, 1979]

Information required in respect of application for extension of time or for exemption under sub-section (8) of Section 58-A of the Companies Act, 1956.

PART 'A'

(Basic Data)

- (1) Name of the company and the address of the registered office.
- (2) Date of incorporation.
- (3) Date of commencement of business.
- (4) Financial year of the company.
- (5) Name and address of statutory Auditors of the company.
- (6) Name(s) and address(es) of Directors of the company, indicating executive position held, if any in other companies and in case of nominee directors, the names of Institutions which they represent.
- (7) Whether the company is registered under M.R.T.P. Act.
- (8) The main business in which the company is engaged indicating the location of factories etc.
- (9) The date on which the last Annual General Meeting was held and whether the Audited Accounts were placed in the Annual General Meeting.
- (10) Names, designation and address of the Officers of the company to whom powers have been delegated for acceptance/repayment of deposits.
- (11) Equity/preference shares held by each of the following indicating separately the percentage share bear to the total equity/preference share capital of the company.
 - (a) Controlling block :
 - (i) Shares held by directors and their relatives.
 - (ii) Other companies in the same management.
 - (b) Central/State Government(s).
 - (c) Financial Institutions
(by individual name(s))
 - (d) Nationalised banks
by individual name(s)
 - (e) Non-residents :
 - (i) Companies not incorporated in India.
 - (ii) Foreign nationals.
 - (f) Shareholders not covered in (a) to (e) above holding one per cent or more of the equity shares.
 - (g) Others :
 - (i) Companies.
 - (ii) Individuals.

- (12) Names and addresses of brokers/agents appointed by the company for procurement of deposits, together with terms of appointment, the rate of commission paid and copies of agreement, if any.
- (13) Names and addresses of the financial institutions from which the company has accepted long term loans, the amounts of such loans, and the name of the lead financial institution, if any.

PART 'B'*(Financial Data)*

- (14) Effective capital employed by the company on the closing date of last balance sheet (please indicate the date)
- (i) Paid-up capital
 - (ii) Share premium
 - (iii) Reserve & Surpluses
 - (iv) (a) Free reserves
(b) Other than Free reserves
 - (v) Long term loans
(a) Secured
(b) Unsecured

TOTAL :**Less**

Accumulated loss preliminary expenses or other Intangible Assets.

Net effective capital employed

- (15) Working results of the company for the last 3 years

	Year ending on	Year ending on	Year ending on
--	----------------	----------------	----------------

- (i) Paid-up capital
 - (ii) Effective capital employed
(See item No. 14).
 - (iii) Turn-over
 - (iv) Net profits under Section 198 of the Act.
 - (v) Dividend declared
(Rate and quantum).
- (16) Net worth and liquidity position of the company during the last 3 years as in Annexure I
- (17) A cash flow statement indicating information (as in Annexure II) in respect of
- (a) preceding 3 years
 - (b) Current financial year
 - (c) the next 3 years
- indicating in particular how the company proposes to generate surplus for payment of deposits.
- (18) Please indicate the outstanding liability as on the date of application towards repayments of loans and interest to each of the financial institutions from which money has been borrowed and also the amounts repayable towards principal and interest to each of them in the current financial year and during the each of the next 3 financial years.
- (19) Please furnish the following information relating to the position of deposits as on the date of application or as near thereto as circumstances may permit, but not earlier than 60 days from the date of application (The date as on which information is furnished should be indicated).

(A) Information as per part 'A' and part 'B' of Form prescribed under Rule 10 of Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.

- (B) (1) Total number of outstanding deposits.
(2) The amount of outstanding deposits.

(3) The break-up of outstanding deposits as per following tables.

- (i) Amount of Deposits which are over-due
 - (a) for 2 years and more
 - (b) for one year and more but less than 2 years
 - (c) for 6 months and more but less than 1 year
 - (d) for 3 months and more but less than 6 months
 - (e) for less than 3 months

Total : Overdue deposits

No.	Amount
-----	--------

(ii) Break-up of over due deposits as follows:— particulars :	No.	Amount
Less than Rs. 1,000/-		
More than Rs. 1,000/- but Less than Rs. 5,000/-		
Rs. 5,000/- or more.		
(iii) Deposits which are not over-due	No.	Amount
(a) Amount of deposits which will become repayable by 31st March next.		
(b) Amounts of deposits which will become repayable in each of next half years from April to September and October to March during next 3 years.		
(c) Amounts of deposits which will become due for repayment after the third year mentioned in (b) above.		
Total deposits (Overdue and not overdue)		

(20) Please furnish the following information about payment of interest on deposits as on the date for which information is furnished against item 19.

- (a) Amounts of interest already due for payment but remaining unpaid
 - (i) for 2 years and more
 - (ii) for one year and more but less than 2 years
 - (iii) for 6 months and more but less than one year
 - (iv) for 3 months and more but less than 6 months
 - (v) for less than 3 months
- (b) Amounts of interest on deposits payment of which will become due
 - (i) by 31st March next
 - (ii) in each of the next half years from April to September and October to March during the next three years.

(21) Please furnish one copy each of the return filed with Registrar of Companies under Rule 10 of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975 as on 31st March, 1975 onwards.

(22) Reasons for reduction in turnover, if any, during the last 3 years, and losses, if any, during the last 3 years. The anticipated turnover and net profits (pretax/post tax) during the next 3 years may be furnished.

Note :

- (i) The company should give up-to-date information in respect of all questions in this part.
- (ii) In case the last date of the financial year for which the audited accounts are available is more than 12 months prior to the filing of this form, the information as on the next financial year on the basis of the proforma accounts of the company may be furnished even though they may not be audited.
- (iii) In case the company has prepared quarterly or half yearly balance-sheet/profit and loss Accounts, the information should be furnished as on the latest available date in the current financial year as per such accounts.

PART 'C' PROPOSAL(S) AND REASONS

(23) Proposal(s) for exemption/extension

- (a) Please indicate in detail exemption from what and/or extension for which is/are sought quoting the relevant provisions of the Companies Act, 1956 and Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.
- (b) Please indicate the period for which exemption/extension is sought
- (c) Please furnish a detailed time bound scheme of repayment of deposits during the period for which exemption/extension is sought.
- (d) Please give detailed justification for seeking exemption/extension
- (e) If the question of granting exemption/extension is considered, is the company agreeable to pay the entire amount of interest already due, as indicated in item 20(a) within 3 months from the date of granting, if any, of the exemption/extension ?
- (f) If exemption/extension is granted will the company agree to give an undertaking for repayment of interest in future on due dates ?

(24) Has the proposal for exemption/extension been approved by the Board of Directors ? If so, please furnish a copy of the resolution. (If not, the company should take immediate steps to obtain such approval. It is suggested that this form duly filled-in draft may be placed before the Board of Directors for consideration)

(25) If extension is sought for repayment of deposits accepted before 1-2-1975, i.e. the repayment of deposits mentioned in sub-section 3(a) of section 58-A, please furnish the following details :—

(i) Amounts of such deposits repayment of which has become over-due as on the date of application

	No.	Amount (Rs.)
(a) for 3 years and more		
(b) for 2 years and more but less than 3 years		
(c) for 1 year and more but less than 2 years		
(d) for 6 months and more but less than 1 year		
(e) for 3 months and more but less than 6 months		
(f) for less than 3 months		
Total :—		

	No.	Amount (Rs.)
(i) Deposits which are not over due		
(a) Amount of deposits which will become payable by 31st March next		
(b) Amount of deposits which will become repayable in each of the next half years from April to September and October to March during the next three years.		
(c) Amount of deposits which will become due for repayment after the 3rd year mentioned in (b) above.		
(iii) Amount of interest which has already become repayable on such deposits and has remained unpaid on the date of application :		

	No.	Amount (Rs.)
(a) for 3 years and more		
(b) for 2 years and more but less than 3 years		
(c) for one year and more but less than 2 years		
(d) for 6 months and more but less than 1 year		
(e) for 3 months and more but less than 6 months		
(f) for less than 3 months		

(iv) Reasons for which the deposits and interest thereon, if any, could not be repaid

(26) If extension is sought for repayment of deposits accepted before 1-2-75, in contravention of directions issued by the Reserve Bank of India, which became repayable by 1st April, 1975 under sub-section 3(c) of Section 58A, please furnish the following information :—

- (i) period in which such deposit was taken and the total amount of deposits, which was accepted initially in contravention of the directions issued by the Reserve Bank of India.
- (ii) Number and amount of such deposits, repayment of which is outstanding as on the date of application.
- (iii) Amount of interest, if any, due on such deposits but remaining unpaid as on the date of application.

(27) If extension is sought for repayment of deposits accepted after 1-2-1975 in contravention of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975, which became repayable under sub-section (4) of Section 58-A, please furnish the following information :—

- (i) Please indicate with particular rule has been contravened and when, the circumstances in which the rules has been contravened and the amount involved.
- (ii) If deposits have been accepted in excess of prescribed limits please furnish the following details :

	Period in which excess deposits were taken	No.	Amount (Rs.)
(a) Deposits taken initially in excess of the limit prescribed in rule 3(2)(i) of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.			
(b) Amount of such deposits outstanding as on the date of application			
(c) Amount of interest, if any, due on such deposits but remaining unpaid as on the date of application			

- (iii) (a) Deposits taken in excess of the limit prescribed in rule 3(2) (ii) of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.

	Period in which excess deposits were taken	No.	Amount (Rs.)
(b) Amount of such deposits outstanding as on the date of application			
(c) Amount of interest, if any, due on such deposits but remaining unpaid as on the date of application			
(iv) Reasons for which excess occurred and why the excess and the interest thereon, if any, could not be repaid.			

- (28) Whether the company has accepted or renewed any deposits even after the excess mentioned in item 27 above was known ? If so, please indicate :—
 (i) The number of deposits since Accepted/Renewed.
 (ii) The number and amount accepted/renewed in each month after the excess was known.
 (iii) The reasons for accepting/renewing deposits in contravention of the Rules.
- (29) Whether the company is presently accepting/renewing such deposits.
- (30) Whether the company had approached the R.B.I. in the past for any exemption from its directors ? If so, whether such exemption was allowed ? Please give copies of relevant correspondence.
- (31) Full details of the investment made by the company in the shares and debentures of other bodies corporate.
- (32) Is there any scope for dis-investment of such shares, if any
- (33) Full details of the loans granted by the company to other bodies corporate.
- (34) Why were the loans mentioned in item 33 above not withdrawn for repayment of deposits ?
- (35) Full details of the cash and bank balances and easily reliable securities and investments according to the latest balance sheet of the Company.
- (36) Why can't the surplus funds available as per cash flow statement be utilised for repayment of deposits ?
- (37) Is there any liquidation proceedings against the company filed by any depositor pending before any High Court ? If so, please furnish the details.
- (38) Is there any civil suit against the Co. filed by any depositor for recovery of deposits pending before any Court ? If so please furnish the details.
- (39) Is there any scheme of repayment approved by the High Court ? If so, please furnish the details.
- (40) Is there any scheme of rehabilitation of the company approved by the financial institutions/Bankers ? If so, please furnish the details.
- (41) Has any show cause notice been received by any of the directors for contravention of the provisions of the Section 58A of the Act ? If so, please furnish details thereof.
- (42) Is there any suit pending against the Company and/or its Directors for contravention of any or more of the provisions of the Companies Act, 1956 ? If so, please furnish details thereof.
- (43) Please indicate licensed capacity, the installed capacity and production during each of the last 2 years and estimate of production during the current year and next two financial years.
- (44) Whether the undertaking owned by the company is in full production at present ? If not, please give details and reasons thereof ?
- (45) Details of interruption in production during the last 3 years such as strikes/ lock-out etc. and reasons thereof.
- (46) Details of expansion plan/investment plan of the company during the next 3 years. Please indicate whether the company has obtained any letters of intent etc.
- (47) Full details of the mortgages and other encumbrances of the assets of the company
- (48) Details of the difficulties experienced by the company in achieving the full production and sales and how the company proposes to overcome these difficulties.
- (49) Details of contracts in which directors are interested.
- (50) Details of selling agency arrangements, if any, in which the directors are interested.
- (51) Details of office/place of profits held by the relatives of directors, if any.
- (52) What are the conditions which the company is prepared to undertake if exemption/extension is granted in particular in respect of the following items :—
 (i) Composition of the Board of Directors by taking the nominees of depositors or financial institutions.
 (ii) Restriction on repayment of deposits held by Directors and their relatives (give details)
 (iii) Given protection or security to depositors for repayment of deposits.
 (iv) Non acceptance and non-renewal of further deposits.
 (v) Professionalisation of Management.
 (vi) Any scheme of reorganisation subject to the supervision of the court.
 (vii) Restriction on declaration of dividend to shareholders during the period of extension, if any, granted.
 (viii) Immediate payment of interest already due and assurance for payment of interest in future on due dates.
 (ix) In any other manner.

- (53) Any other information which the company wants to furnish.
- (54) Please furnish the following enclosures:—
- (i) One copy each of the Articles of Association of the company.
 - (ii) One copy of each of the Audited Accounts of the company together with Directors Report and Auditors Report for the last 3 years of the Company.
 - (iii) A copy of the resolution of the Board of Directors in support of the proposal.
 - (iv) One copy of each quarterly, half-yearly or other proforma accounts of the company subsequent to the latest audited accounts.
 - (v) One copy each of the Advertisement issued in newspapers pursuant to Rule 4 of the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975.
 - (vi) Application fees prescribed (please furnish a crossed demand draft in favour of Pay and Accounts Officer, Department of Company Affairs, New Delhi, drawn at Punjab National Bank, Barakhamba Road, New Delhi).
- (55) The newspapers in which the company has published notices regarding the intention to apply to Central Government for exemption as in Annexure-III and date of Publication. (press cutting should be attached).

Signature
Name of Person (s)
Designation
Date :

ANNEXURE I

FINANCIAL AND LIQUIDITY POSITIONS OF THE COMPANY ACCORDING TO THE BALANCE SHEETS OF THE LAST THREE YEARS

	1	Year ended on	Year ended on	Year ended on
		(Rs.)	(Rs.)	(Rs.)
		2	3	4

Current Assets

(including investments other than trade investments in subsidiary and/or managed companies)

Less

Current Liabilities (including short-term loans and liabilities).

(A) Liquid Surplus

Add

- (a) Fixed Assets
- (b) Trade investments and investments in subsidiary and/or managed companies.

Less

Long term loans and Liabilities.

(B) Net worth as on

(Date on Balance-sheet)

Note-I

In making the above computation of net worth, adjustments in respect of the following

items shall be made:—

- (i) Intangible assets, e.g. goodwill etc.
- (ii) Doubtful assets e.g. doubtful and bad debts etc.
- (iii) Deferred revenue expenditure.
- (iv) Accumulated losses.
- (v) Arrears of depreciation.
- (vi) Arrears of preference shares dividend.
- (vii) Any other amount, appearing in the balance-sheet, required to be deducted in accordance with accounting practices.

Total:—

Reconciliation of Net Worth paid-up Capital.

Add

Reserves

(Please specify details)

Less

Intangible assets and any other amount required to be deducted (vide Note above).

Net worth as on

(Date of Balance-sheet).

NOTE:—II—If the net worth of the company as indicated in column 4 is less than its paid-up capital, please indicate in details what steps are prepared to be taken to improve the net worth.

ANNEXURE II

CASH FLOW STATEMENTS

	Three previous years			Current year	Next three years		
	Year ended on....	Year ended on....	Year ended on....		Year ended on....	Year ended on....	Year ended on....
1	2	3	4	5	6	7	8
A. SOURCE OF FUNDS							
Sales and other income							
Less cost of sales & other expenditure (Excluding depreciation)							
<i>Net profit before tax and depreciation.</i>							
<i>Opening balance of cash</i>							
Additional capital raised.							
Increase in secured loans.							
Increase in other loans (Other than deposits).							
Increase in deposits received.							
Decrease in current assets (other than cash).							
Increase in current liabilities							
Any other item to be specified.							
Total							
B. USE OF FUNDS							
Increase in Capital Assets.							
Increase in investments.							
Secured loans repaid.							
Other loans repaid (other than deposits).							
Deposits repaid.							
Increase in current assets (other than cash).							
Decrease in current liabilities.							
Tax payments.							
Dividends.							
Any other item (to be specified							
Closing Balance of Cash							
Total:—							

FORM 2
(See Rule 4)

Name of the Company.

Registered Office.

Notice is hereby given that the above named Company proposes to apply to the Central Government for extension of time to comply with, or for exemption from all or any of the provisions of Section 58-A of the Companies Act, 1956 relating to deposits from public. A copy of the application made is available for inspection at registered office of the company during the working hours. Any interested person may send his objections, if any, to the Central Government by means of letter addressed to the Secretary, Department of Company Affairs 5th Floor, 'A' Wing, Shastri Bhavan, New Delhi, within thirty days from the date of publication of this notice.

[F. No. 4/2/78-CL.XI/X]

Sd/-

(M.K. KUKREJA, Joint Secy.)

